# रामचरितमानस पाठ के शुभ फलदायक सम्पुट चौपाई मंत्र

रामचरितमानस पाठ के शुभ
फलदायक सम्पुट चौपाई मंत्र:
मंगल भवन अमंगल हारी,
द्रबहु सु दसरथ अजिर बिहारी ।

सुमिरि पवनसुत पावन नामु,
अपने बस करि राखै रामु ।
देवि पूज्य पद कमल तुम्हारे,
सुर नर मुनि सब होही सुखारे।

विश्वनाथ मम् नाथ पुरारी,
त्रिभुवन महिमा विदित तुम्हारी ।
सो तुम्ह जान्हउ अन्तर्यामी,
पुरवहु मोर मनोरथ स्वामी ।

सखा सोच त्यागहु बल मोरे,
सब बिधि घटब काज मैं तोरे ।
मोर सुधारिहि सो सब भाँती,
जासु कृपा नहीं कृपा अघाती ।

दीन दयाल बिरिदु समभारी,
हरहु नाथ मम् संकट भारी ।
प्रभु की कृपा भयवु सब काजू,
जन्म हमार सुफल भा आजू ।

सीताराम चरन रति मोरे,
अनुदिन बढ़वु अनुग्रह तोरे ।
सिया राम मैं सब जग जानी,
करहु प्रनाम जोरि जुग पाणी ।

मोरे हित हरि सम नहीं कोउ,
यहि अवसर सहाय सोई होउ ।
महवीर बिनवउँ हनुमाना,
राम जासु जस आप बखाना ।

जेहि बिधि प्रभु प्रसन्न मन होई,
करुणा सागर कीजै सोई ।
राम कृपा नासहि सब रोगा ,
जो एहि भाँति बनै संयोगा ।

होय विवेक मोह भ्रम भागा ,
तव रघुनाथ चरन अनुरागा ।

संकलन : ज्योति नारायण पाठक
वाराणसी

Source:
https://www.bharattemples.com/ramcharitmanas-path-ke-shubh-phal-dayak-samput-chaupaee-mantra/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw